विवरण-I

उत्तर और उत्तर-पूर्वी राज्यों में विकास के लिए तीर्थ पर्यटन समिति द्वारा पहचान किए गए केन्द्र

क्रम सं०	राज्य का नाम	केन्द्र/स्थान
1.	असम	कामाख्या
2.	बिहार	बोधगया और पटना साहिब
3.	हिमाचल प्रदेश	पौंटा साहिब और ज्वालाजी
4.	जम्मू-कश्मीर	माता वैष्णो देवी
5.	उड़ीसा	जगन्नाथपुरी
6.	राजस्थान	अजमेर शरीफ़
7.	उत्तर प्रदेश	(I) बदरीनाथ-केदारनाथ-गंगोत्री-यमुनोत्री (II) बरसाना-नंदगांव-गोकुल-मथुरा-वृन्दावन-गोवर्धन।

विवरण-II

उत्तर और उत्तर-पूर्वी राज्यों के तीर्थ केन्द्रों के विकास के लिए राज्य सरकारों को दी गई वित्तीय सहायता का विवरण

क्रम सं०	परियोजना का नाम	वर्ष	(लाख रुपयों में) राशि
1.	पटना साहिब, बिहार में यात्रिका	1993-94	10.00
2.	ज्वालामुखी, हिमाचल प्रदेश में यात्री निवास	1993-94	5.00
3.	पुरी में जगन्नाथ मंदिर को दीपों से सजाना	1993-94	10.00
4.	पुरी में समुद्रतटीय उत्सव	1993-94	3.00
5.	पुरी में सी-बीच का प्रदीप्तिकरण	1994-95	3.00
6.	समुद्रतटीय उत्सव पुरी	1994-95	8.00
7.	पुरी में बीच क्लीनर उपकरण	1995-96	5.00
8.	अजमेर में यात्रिका	1994-95	7.69
9.	अजमेर में यात्री शेड/विश्राम स्थली	1994-95	11.38
10.	वैष्णो देवी में पर्यटक आवास	1995-96	10.00

गुजरात में दूरदर्शन केन्द्रों की प्रचालन लागत

1518. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गुजरात में कार्यरत दूरदर्शन केन्द्रों की प्रचालन लागत में पिछले कुछ वर्षों से वृद्धि हो रही है;

(ख) यदि हां, तो 1989-90 से आज की तिथि तक हुई इस वृद्धि का मद-वार तथा वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राजकोट दूरदर्शन केन्द्र में इस लागत का प्रतिशत सबसे अधिक है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने इस संबंध में व्यापक स्तर पर कोई अध्ययन किया है?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री सी०एम० इब्राहीम): (क) से (ङ) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।